गोलालारीय समाज का मुखपत्र

RNI No. MPHIN/2008/26873
No. MP/ICD/1252/2015-2017 सेवा में,

golalariya_darshan@yahoo.in
गोलालारीय दर्शन यहां भी देख सकते है –
www.golalariya.com

लेट पोस्टिंग

मासिक
गोलालारीय दर्शन

अपनों के साथ अपनी बातें

जो भरा नहीं हैं भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं। हृदय नहीं पत्थर हैं वो, जिसे समाज से प्यार नहीं।

वर्ष : 6 अंक : 10 पृष्ठ संख्या : 10 माह – 15 मई 2015 सहयोग राशी – आजीवन सदस्य बनें ।

गौरक्षा और हम

आजकल ''गौरक्षा'', ''गौवध निषेध'' आदि विषयों पर जमकर चर्चा हो रही है । पत्र-पत्रिकाओं, सभा गोष्ठियों आदि में यह विषय ज्वलंत हो रहा है । इस वर्ष महावीर जयंती के कार्यक्रम में भी गौरक्षा विषय ही छाया रहा है । जिसे देखो वह स्वयं को गौवंश का सबसे बड़ा हिमायती साबित करने में लगा है । सोचने की बात है कि अचानक हम सब गाय के इतने बड़े संरक्षक, इतने बड़े पक्षकार क्यों हो गये है जबकि न तो गाय हमारे लिये कोई नई चीज है, और न ही अचानक उसका महत्व हमारे जीवन में बढ़ गया है। बचपन से ही जब हिन्दी भाषा का विधिवत अध्ययन हमें कराया जाता था तो ''गाय का निबंध'' ही सर्वप्रथम हमें निबंध विद्या से परिचय कराता था । गाय का महत्व इसी बात से दृष्टिगोचर होता है कि महात्मा गाँधी कहते थे ''गाय जन्म देने वाली माँ से कहीं बढ़कर है। माँ तो साल दो साल दूध पिलाकर हमसे जीवन भर की आशा रखती है, किन्तु गौमाता स्वयं केवल जीवन पर्यंत हमारी अटूट सेवा ही नहीं करती बल्कि उसके मरने के बाद भी हम उसके चर्म, माँस, हड्डी, सींग इत्यादि से अनेक लाभ उठाते है।''

परन्तु आज बड़े अफसोस का विषय है कि गौवंश का संरक्षण करने के बजाय हम गौमाँस का निर्यात करने में विश्व में अग्रणी हो रहे है। आँकड़ो के अनुसार आज भारत विश्व का सबसे बड़ा गौमाँस निर्यातक देश बन गया है और वह भी तब जबकि देश में हिन्दुत्ववादी सरकार शासन में है ।

यही वजह है कि आज जैन साधु संतों को गौवध निषेध कानून बनाने के लिये आंदोलन करना पड़ रहा है। आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज ने जहां 1 करोड़ हस्ताक्षर अभियान के द्वारा इसका समर्थन किया वहीं श्वेताम्बर आचार्य सम्राट डॉ. शिवमुनि ने भारत सरकार से प्रत्यक्ष अनुरोध किया कि शीघ्रातिशीघ्र गौवध पर प्रतिबंध लगाने हेतु कठोर कानून बनाये । दुर्भाग्य का विषय है कि राम, कृष्ण,महावीर स्वामी एवं महात्मा गाँधी के देश में गौहत्या हो रही है और गौमाँस का निर्यात किया जा रहा है। गौमाँस के उत्पादन, विक्रय और निर्यात पर सब्सिडी दी जा रही है ।

यहाँ प्रश्न केवल जैन समाज का नहीं है हिन्दू धर्म में तो गाय को पूज्यनीय माना जाता है । महात्मा गाँधी ने गाय को हिन्दुस्तानियों को पालने वाली कामधेनु कहा था । किन्तु आज जब इतनी अधिक संख्या में गौवध और गौमाँस का निर्यात किया जा रहा है तो समाज के तथाकथित पैरोपकार चुप क्यों है ? इस सवाल से अनेक सवाल जुड़े है कि वास्तव में हम गौवंश को बचाने के लिए कितने सक्रिय है। हममें से कितने लोग है जो गाय और अन्य मूक प्राणियों की चिंता करते है। कितने लोग गौशाला के संरक्षण और संवर्धन के लिये अपनी मुठ्ठी खोलते है, गौशालाओं की व्यवस्थाओं पर ध्यान देते है । पशुपालकों द्वारा छोड़ी गयी, बूढ़ी, बीमार और अशक्त गायों की जिम्मेदारी कौन उठाता है । पहले हमारे परिवारों में परम्परा होती थी कि भोजन बनाते समय गाय के लिये नियम से रोटी बनाई जाती और उसे खिलाई जाती थी । आज हममें से कितने इस नियम का पालन करते हैं। ऐसे अनेक प्रश्न है जिसके उत्तर सकारात्मक नहीं है।

जैन धर्म के अहिंसामयी सिद्धांत का पालन कर हम गौरक्षा कर सकते है बशर्ते हम पूरी निष्ठा से अहिंसक बनें । इसका तात्पर्य यह नहीं कि हम तो गौवध नहीं करते अत: हम अहिंसक है । यदि हम सच्चे अहिंसक है तो हमें गौमाँस और चमड़े आदि की वस्तुओं का भी त्याग करना चहिए । हमारे कितने ही खाद्य पदार्थों और प्रसाधन की सामग्री में घोषित या अघोषित रुप से गौमाँस या चर्बी का प्रयोग किया जा रहा है । हम भी जाने अनजाने इनका सेवन करते चले आ रहे है । यदि हम इनका पूर्णत: त्याग नहीं करते तो हमारा गौवध निषेध और अहिंसक होने की घोषणा करना एक थोथे ढोंग के सिवाय कुछ नहीं है ।

यदि हम वास्तव में गौवध निषेध चाहते हैं तो हमें पहले स्वयं में यह संकल्प लेना होगा कि हम सच्चे अर्थों में अहिंसक बनें और गौमाँस, चर्बी और चमड़े से संबंधित वस्तुओं का त्याग करें। इसके पश्चात ही हम गौवध निषेध कानून का पालन करा सकते है अन्यथा यह हमारा वहम ही होगा जो हम सिर्फ कानून बनाकर गौवध को रोक सकते है । हमें पशुपालन और उनके संरक्षण की व्यवस्थाओं पर पुर्नविचार कर उसे व्यक्तिगत रुचि का विषय बनाना होगा तभी हम सच्चे अर्थों में इस आंदोलन को मूर्तरुप प्रदान कर सकेंगे । – अनुमपा जैन, सहसंपादिका

बदलाव की बयार

हमने हाल ही में महावीर जन्म कल्याणक बड़े उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया । शोभायात्रा कलशाभिषेक बाल महावीर का झूला पालना, भजन कीर्तन इत्यादि समारोहपूर्वक मनाये । सच भी है कि जिन महावीर शासन के शासनकाल में हम रह रहे है उन शासन नायक का ऐसा उत्सव मनाना ही चाहिये । दीपावली भी हम ऐसे ही मनाते है । प्रात:काल निर्वाण लाडू चढ़ाकर भगवान के मोक्षगमन की अनुमोदना करते है और अपने लिये भी ऐसी ही भावना भाते है । यहाँ हम यह भी याद रखें कि ऐसे ही जन्म और मोक्षकल्याणक हमारे चौबीसों तीर्थकरों के होते है । वर्तमान काल में हम जिन चौबीस तीर्थंकरों का अनुगमन कर रहे है उन सभी का जन्म और मोक्ष कल्याणक भी हमें मनाना चाहिये । गोलालारीय दर्शन के जुलाई 2013 के अंक में हमने यह प्रश्न उठाया था कि सिर्फ महावीर जयंती और दीपावली क्यों ? प्रसन्नता की बात है कि लोगों में इस ओर जागरुकता बढ़ रही है। आज अनेक मंदिरों में अन्य तेईस तीर्थंकरों के मोक्षकल्याणक स्वरूप निर्वाण लाडू चढ़ाये जाने की सुखद परम्परा शुरु हो चुकी है । भले ही आज यह आरंभिक दौर में है किन्तु प्रचार प्रसार के फलस्वरुप वह दिन दूर नहीं जब हम वर्ष में चौबीस बार दीपावली मनायेंगे । इन्दौर के अन्य मंदिरों के साथ साथ विजय नगर स्थित श्री दिगम्बर पार्श्वनाथ मंदिरजी में भी हर तीर्थंकर भगवान के मोक्षकल्याणक का निर्वाण लाडू चढ़ाया जाता है जो एक उत्साहवर्धक शुरुआत है और धीरे धीरे अधिकाधिक श्रद्धालु इस पुण्यकार्य से जुड़ रहे है। आप सभी से निवेदन है कि अपने अपने नगर में जिन मंदिरों में एक दिन पूर्व तीर्थकर भगवान के जन्म और मोक्षकल्याणक की सूचना सूचनापटल पर लिखे ताकि अधिक से अधिक लोग पुण्यार्जन कर सके । अभिषेक के समय जिस तीर्थंकर का जन्मकल्याणक हो उनका जन्माभिषेक करें और मोक्षकल्याणक के दिन निर्वाणलाडू चढ़ाय । व्यक्तिगत नहीं तो सामूहिक लाडू चढ़ाने की क्रिया तो की ही जा सकती है । इस पुण्यकार्य में अधिक से अधिक लोगों को जोड़ें । इस हेतु हम सोशल मीडिया, फेसबुक, वाट्सएप्प आदि का भी इस्तेमाल कर सकते है ।

गोलालारीय दर्शन पत्रिका के तत्वावधान में विवाह योग्य प्रत्याशियों की जानकारी हेतु परिचय पुस्तिका प्रकाशित करने की योजना बनाई जा रही है । इस पुस्तिका में दिगम्बर जैन समाज (गोलालारीय, परवार, गोलापूर्व, खंडेलवाल, जैसवाल, खरुआ) के विवाह योग्य प्रत्याशियों की जानकारी स्थानीय प्रतिनिधियों के माध्यम से 1 जुलाई 15 से 31 अक्टूबर 15 तक एकत्रित की जावेगी । पुस्तिका का विमोचन पवाजी मेले में नवम्बर के अंतिम माह में करा जाना प्रस्तावित है । हमारे इस प्रयास में आप अपने नगर/गांव में क्षेत्रीय प्रतिनिधी के रुप में जुड़ सकते है । अधिक जानकारी के लिए संपर्क करे – राजेन्द्र जैन 9406744064, बाहुबली जैन 9425933001 कोमलचंद जैन 9329524227, राजेन्द्र कुमार जैन (सांईनाथ कालोनी) 9425958188

गोलालारीय दर्शन समाज के 4500 परिवारों तक नियमित भेजा जा रहा है । हमारे द्वारा पूर्व में भेजे गये पत्रों पर ही पत्रिका नियमित रुप से भेजी जा रही है ।
संभव है डाक व्यवस्था या आपका पता सही न होने के कारण पत्रिका आपको व आपके रिश्तेदारों तक पत्रिका नहीं पहुंचती है तो उनका नाम व पता पोस्टकार्ड पर लिखकर पत्रिका कार्यालय पर भेज देवें ।
संपर्क करे – 9424013136 पर दोप. 4 से रात्रि 10 तक संपर्क कर सकते है या अपने पता का एसएमएस कर सकते है ।

परामर्श प्रमुख

श्री कैलाशचंदजी जैन, झाँसी
श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद
डॉ. श्रेयांस कुमार जैन, बड़ौत, 9837043221
डॉ. कपूरचंद जैन, खतौली, 9412678256

प्रधान संपादक
राजेन्द्र जैन ''बागो'', 9424013136

सह संपादिका
श्रीमती अर्चना अजय जैन, 9827796013
श्रीमती अनुपमा रजनीश जैन, 9009066884

कोषाध्यक्ष -
सुधेश कुमार जैन, 9827254111

प्रबंध संपादक
राजेन्द्र कुमार जैन, सायकलवाले, 9425353972
खुशालचन्द जैन, 9302123879
कोमलचंद जैन, 9329524227

(संयोजक एवं प्रकाशक)
बाहुबली जैन, 9827247847

शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक अपना संक्षिप्त परिचय सपत्नीक फोटो सहित एवं संरक्षक तथा विशेष सहयोगी सदस्य अपना संक्षिप्त परिचय फोटो सहित भेजे ताकि प्रकाशन किया जा सके।

*** विशेष सहयोगी ***

प्रदीपकुमार जैन, नौहरकलां, भोपाल
अरविन्दकुमार जैन, तुमसर

*** आजीवन सदस्य ***

विमलचंद जैन, सोनकच्छ
डॉ. प्रेमचंद जैन, बैंगलोर
कमलकुमार जैन, नेहरु नगर, भोपाल
फूलचंद जैन, साउथ तुकोगंज, इन्दौर
अरविन्दकुमार जैन, विदिशा
कुन्दनलाल मानोरिया, विदिशा

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/-
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/-
संरक्षक (अ.जा.)	5100/-
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/-
आजीवन शुल्क (अ.जा.)	1100/-
सहयोग राशि	500/-

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855
IFSC Code: SBIN0030134
में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी व अपना नवीन फोटो मय जानकारी के हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड व कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।
नोट - 8 मार्च 2014 से अन्य शहरों से जमा की जाने वाली राशी पर बैंक शुल्क न्यूनतम 50 रु. कर दिया है।

अत: बायोडाटा शुल्क मल्टीसिटी चेक के द्वारा ही पत्रिका के पते पर भेजे।

विज्ञापन शुल्क (B&W)

अंतिम पेज	6000/-
फुल पेज (अंदर)	5000/-
1/2 पेज	3000/-
1/4 पेज	1500/-
मांगलिक बधाई फोटो सहित	1000/-
शोक संदेश फोटो सहित	500/-
बॉयोडाटा फोटो सहित	150/-

बायोडाटा, समाचार व अन्य कोई जानकारी पत्रिका में प्रकाशित करने हेतु गोलालारीय दर्शन द्वारा श्री राजेन्द्रकुमार जैन, हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड या पत्रिका कार्यालय इन्दौर पर भेजें।

जिनालय में मानस्तंभ व वेदियों का शिलान्यास संपन्न

शांतीकुमार जैन, गंजबासौदा । जिन शासक प्रभावक एकमात्र जिनालय ही होता है जिसकी पुनीत छाँव में पाप कालिमा धुल जाती है और स्वर्ग मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है। मंदिर निर्माण एवं मूर्ति विराजमान करने वाले सतिशय पुण्य का अर्जन करते हैं। दसवें तीर्थंकर भगवान शीतलनाथ के गर्भ, जन्म, तप, केवलज्ञान चारों कल्याणकों से सुशोभित भददलपुर (विदिशा) नगरी के अंचल में स्थित गंजबासौदा के हृदय स्थल गाँधी चौक में 550 वर्ष प्राचीन 1008 श्री आदिनाथ दि. जैन मंदिर के जीर्णोद्धार/पुर्ननिर्माण का कार्य संत शिरोमणी दिगम्बराचार्य परम पूज्य 108 आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के आशीर्वाद एवं उन्हीं के परम प्रभावक शिष्य मुनिश्री 108 अजितसागरजी महाराज एवं पूज्य एलक श्री 105 विवेकानंदजी महाराज की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में प्रगति पर है । नवीन स्वरूप के इस प्रयास की इसी श्रंखला मे दिनांक 26.04.2015 को आर्यिका रत्न 105 तपोमति माताजी के ससंघ सान्निध्य में मानस्तंभ व 6 वेदियों का शिलान्यास कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसमें संपूर्ण समाज ने अपनी उपस्थिति दी । मंदिर परिसर में आयोजित भव्य कार्यक्रम में प्रथम व द्वितीय तल पर बनने वाली 6 वेदी एवं मानस्तंभ का शिलान्यास पूरे विधी विधान व शास्त्रानुसार हुआ । शिलान्यास के एक दिन पूर्व मुनिश्री अजितसागरजी महाराज के 17वें मुनि दीक्षा दिवस के अवसर पर श्री भक्तामर महामंडल विधान सहित अनेक कार्यक्रम हुये । मानस्तंभ का शिलान्यास मानस्तंभ निर्माण कराने वाले स.सिं. अनिल जैन दीवाकीर्ति एवं प्रवीणकुमार नवीनकुमार जैन दिवाकीर्ति परिवार ने किया एवं इसी प्रकार प्रथम तल पर बनने वाली मूलनायक भगवान की वेदी का शिलान्यास करने का सौभाग्य श्री राजेन्द्रकुमार नवीनकुमार भंडारी तथा द्वितीय तल पर बनने वाली मूलनायक भगवान की वेदी का शिलान्यास करने का सौभाग्य श्रीमती अंगूरीदेवी जैन को प्राप्त हुआ एवं अन्य 4 वेदियों का शिलान्यास वेदियों के पुण्यार्जक श्री रमेशचंद नीतेश भंडारी 'वीर जनरल स्टोर', श्री नेमीचंद संजयकुमार जैन एडवोकेट, श्री मुन्नालाल जैन जितेन्द्र जैन अमित जैन दिवाकीर्ति परिवार एवं श्रीमती शांतिबाई धर्मपत्नी स्व. श्री जयकुमारजी जैन श्री प्रेमचंद जैन एसडीओ ने किया । संपूर्ण कार्यक्रम प्रतिष्ठाचार्य बा. ब्र. श्री प्रदीप भैया 'सुयश' अशोकनगर के निर्देशन में हुआ ।

कार्यक्रम में मूलनायक श्री आदिनाथ भगवान की 61 इंच पदमासन प्रतिमा विराजमान कराने की घोषणा श्रीमती कमलाबाई धर्मपत्नी स्व. श्री डी.एल. जैन एवं उनके सुपुत्र डॉ. संदीप जैन प्रोफेसर कालोनी भोपाल द्वारा की गई एवं श्री मुनिसुव्रतनाथ भगवान की 61 इंच खड्गासन प्रतिमा विराजमान कराने की घोषणा नगर गौरव सुश्री आराधना बहिनजी आदर्श भैया राकेश कुमार गौरव कुमार जैन द्वारा की गई । शेष प्रतिमाओं के पुण्यार्जक श्री रामेशचंद नीतेश भंडारी, श्री सनतकुमार अमितकुमार भंडारी, श्री शिखरचंद राजेशकुमार ऋतुज कुमार राजनकुमार वैशाखिया द्वारा पूर्व में घोषणा की जा चुकी है। आराधना दीदी ने मुख्य वेदी पर एक मूर्ति विराजमान करने का संकल्प लिया है, इसी प्रकार मानस्तंभ में विराजमान होने वाले 8 जिनबिम्ब में से डॉ. डी.के. जैन, श्रीमती बसंती बाई धर्मपत्नी स्व. श्री नंदनलालजी दिवाकीर्ति, श्री निशंककुमार निशल्य कुमार जैन डेरिया परिवार, श्री ज्ञानचंद अनिलकुमार सुनील कुमार संजीवकुमार भंडारी द्वारा एक एक जिनबिम्ब विराजित करने की घोषणा की गई । जैन परम्परा की आध्यात्मिक आस्था का केन्द्र रहा 1008 श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर प्राचीन काल से ही साहित्यिक रूप से समृद्ध रहा । मंदिर के आधार तल से सोलहवी, सत्रहवीं और अठारहवी सदी के 535 हस्तलिखित ग्रंथ सुरक्षित मिले है जो संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, अद्धमग्धी और हिन्दी भाषा में रचित है जो मंदिर के आचार्य ज्ञानसागर ग्रंथालय में सुरक्षित रखे है।

मंदिरजी में 2 मूलनायक वेदी, मानस्तंभ में 4 जिनबिम्ब, 3 शिखर, जिनालय गर्भ गृह प्रवेश द्वार, मुख्य प्रवेश द्वार के पुण्यार्जक शेष है। पुण्यार्जक महानुभाव बनने के लिए मंदिर समिति के अध्यक्ष श्री नेमीचंद जैन एडवोकेट (9425150286), कार्याध्यक्ष श्री शांतिकुमार जैन (9425149105) महामंत्री सिद्धार्थ भुजंग (9893779177), मंत्री राजेन्द्र जैन चार्ली (8962158995) व नवीन भंडारी (9893256968) से संपर्क कर सकते है ।

सिद्ध क्षेत्र शिखरजी पर हैलीपेड बनाने का प्रस्ताव ।

हमारे प्रसिद्ध तीर्थस्थल मधुबन को हाईटेक बनाने की दिशा में पहल शुरु हो गई है। इस उद्देश्य के साथ नागर विमानन के अपर मुख्य सचिव सजल चक्रवर्ती ने पारसनाथ पहाड़ पर हैलीपेड बनाने का सुझाव दिया और आशा व्यक्त की, कि भविष्य में मधुबन को विश्वस्तरीय पर्यटक स्थल बनाया जा सकेगा। उन्होंने सरकार की ओर से संकेत मिलने के बाद कहा कि यदि जैन धर्म के लोग पारसनाथ पहाड़ पर जमीन उपलब्ध कराए तो सरकार वहां पर एक हैलीपेड का निर्माण करा सकती है इसमें जैन श्रद्धालुओं को आने-जाने में बहुत आसानी होगी और वे सीधे पारसनाथ पहाड़ पर ही उतरकर दर्शन सकेंगे । राज्य सरकार द्वारा मधुबन विकास के लिए पर्यटन विभाग ने प्रथम दौर में लगभग 9.50 करोड़ रुपये जारी किए गए । राज्य सरकार द्वारा पारसनाथ व आसपास के 22 गांवों का चयन कर विकास की रुपरेखा तैयार की जा रही है। पारसनाथ डेवलपमेंट प्लान के तहत मधुबन में बिजली, पानी, सड़क के साथ पारसनाथ टोंक तक वंदना पथ का निर्माण, मधुबन में यात्रियों के लिए स्वास्थ उपकेन्द्र, मनोरंजन पार्क व डोली मजदूरों के लिए शेड इत्यादि निर्माण की योजना भी बनाई जा रही है ।

प्रदेश की आंगनवाड़ी में अभक्ष्य पदार्थों का वितरण बंद होगा ।

108 आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज के दर्शन को जबलपुर सिलवारा घाट पर म.प्र. शासन के दो मंत्रियों डॉ. गौरीशंकर बिसेन व शरद जैन ने चर्चा पश्चात घोषणा की है कि प्रदेश की आंगनबाड़ी में अंडा एवं मछली का वितरण बंद कर दिया जायेगा ।

भारत विकास परिषद बुंदेलखंड प्रांत के चुनाव में श्री राजेश जैन बने प्रांतीय अध्यक्ष

भारत विकास परिषद बुंदेलखंड प्रांत के चुनाव, चुनाव अधिकारी डॉ. आर.वी.श्रीवास्तव (दिल्ली) एवं मुकेश जैन (लखनऊ) के निर्देशन में तथा डॉ. संजीव जैन कड़की की अध्यक्षता में संपन्न हुए । जिसमें श्री राजेश जैन 'बीड़ीवालों' को निर्विरोध भारत विकास परिषद बुंदेलखंड प्रांत का अध्यक्ष चुना गया । इस अवसर पर बाहुबली जैन, दीपक सिंघई, देवेन्द्र सिंघई, शिरोमणि जैन, विवेक सोनी, मनीष अग्रवाल, अजय जैन, अमिताभ नगरिया, राहुल दुबे, नरेन्द्र मोदी, निर्मल अग्रवाल, संदीप गोस्वामी, रामदेवी गुप्ता आदि उपस्थित रहे । संचालन महासचिव श्री प्रदीप श्रीवास्तव एवं आभार ई.एम.एस. गुप्ता ने व्यक्त किया ।

महावीर जयंती पर जियो और जीने दो की गूंज

पवा

विशाल जैन पवा । तालबेहट । सिद्धक्षेत्र पावागिरीजी सहित कस्बे के पारसनाथ एवं वासुपूज्य दि. जैन मंदिर में जैन धर्म के वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी की जयंती धूमधाम से मनायी गयी, इस अवसर पर सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुँचे, प्रभात फेरी निकाली तथा भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव पर पालना झूलन सहित विविध धार्मिक कार्यक्रम अनुष्ठान हर्षोल्लास के साथ आयोजित किय गये । दोपहर में विमानोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें सबसे आगे तैलीय चित्रों की झांकी उसके पीछे घोड़े पर धर्मध्वजा लेकर श्रावक, बैण्ड की धुनों पर नृत्य करते युवाओं के बाद श्री जी को विमान में लेकर श्रद्धालु और सबसे पीछे जियो और जीने दो के नारे लगाते हुए महिलाएं व पुरुष चल रहे थे । भव्य शोभायात्रा पारसनाथ दि. जैन मंदिर से प्रारंभ होकर नगर भ्रमण कर वापस मंदिर पहुंची । मंदिर में ध्वजारोहण, कलशाभिषेक, मंगल आरती एवं फूलमाला का आयोजन किया गया । इस अवसर पर भगवान महावीर स्वामी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए वक्ताओं ने कहा कि बालक वर्द्धमान का जन्म चैत्र सुदी त्रयोदशी को बिहार प्रांत के कुण्डलपुर ग्राम में नाथ वंश के राजघराने में पिता सिद्धार्थ एवं माता त्रिशलादेवी के घर हुआ, वह कुशाग्र बुद्धि एवं महान व्यक्तित्व के धनी थे । माँ के गर्भ में आते ही राज्य-वैभव, पराक्रम आदि बढ़ने से माता-पिता ने बालक का नाम वर्द्धमान रखा, उनका कलशो से जन्माभिषेक करते समय सौधर्म इन्द्रादि को शिशु के जल प्रवाह में सुमेरूपर्वत की पाण्डुकशिला से बह जाने की शंका हुयी और जैसे अभिषेक करना बंद किया तो शिशु ने इन्द्रों का भ्रम दूर करने के लिए बाएँ पैर के अंगूठे से पर्वत को कंपायमान कर दिया जिससे इन्द्र ने शिशु का नाम वीर रखा । जब संजय और विजय नाम के मुनिराजों ने बालक वर्द्धमान को देखते ही तत्व की शंका का समाधान हो गया तब मुनिराज ने बालक को सन्मति नाम दिया, लुका-छुपी का खेल खेलते समय संगम नाम का देव स्वर्ग से परीक्षा लेने भयानक सर्प बनकर आया तो सभी बच्चे डरकर भाग गये वर्द्धमान निडरतापूर्वक साँप से ही खेलने लगे तो सर्प ने देव का रुप धारण कर नमस्कार कर साहस की प्रशंसा करते हुए बालक को अतिवीर नाम दिया । एक बार उपद्रव करते हुए पागल हाथी को वश में कर वर्द्धमान उस पर सवार हो गये तो नगर वासियों ने बालक को महावीर नाम से पुकारा, इस प्रकार बालक के पाँच नाम वर्द्धमान, वीर, अतिवीर, सन्मति और महावीर हो गये । उन्होंने बाल ब्रह्मचारी रहते हुए जैनधर्म के पाँच सिद्धांतों अहिंसा, सत्य, अचौर्य, अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य की प्रभावना करते हुए जैनागम को जन जन तक पहुँचाया । उन्होंने अनेकांत, मैत्री भाव और सहिष्णुता का संदेश दिया तथा अनेक उपसर्गों पर विजय प्राप्त कर कठिन साधना एवं तप करने पर केवलज्ञान की प्राप्ति के बाद कार्तिक अमावस्या के दिन पावापुरी से मोक्ष प्राप्त किया । महावीर स्वामी द्वारा बताये गये मोक्ष मार्ग का अनुसरण करते हुए अनेक श्रावक घर छोड़कर धर्म की साधना को निकल पड़े एवं मुनि-आर्यिका व्रत को धारण किया, धर्मावलम्बियों ने जीओ और जीने दो तथा अहिंसा परमो धर्मा: का प्रचार-प्रसार किया। रात्रि में बालक्रीड़ा एवं मंगल आरती सहित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में एस.डी.एम अमिताभ यादव, प्रभारी तहसीलदार सुबोध मणि शर्मा, नायब तहसीलदार अजीत कुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक शशिकांत दीक्षित, पं. विजय कृष्ण, चौधरी धर्मचन्द्र, शिखरचन्द्र, राजकुमार, सुरेन्द्र जैन, जयकुमार, कमल जैन, राकेश मोदी, मिठ्ठा मेघराज, मनीषकुमार, अरुण कुमार, चक्रेश जैन, संजय जैन, अनिल कुमार, पुष्पेन्द्र, प्रवीण कड़ेसरा, देवेन्द्र बसार, यशपाल, सुशील, प्रदीप, आकाश, सौरभ, विकास, आदेश, राहुल, रिंकू, निक्की आदि का सहयोग रहा ।

पन्ना

अभिषेक जैन, पन्ना। चिंतामणि भगवान पार्श्वनाथ के नाम से सुरभित रत्नगर्भा पन्ना नगर में वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक बहुत आनंद एवं उत्साह के साथ मनाया गया । पन्ना नगर के दोनों मंदिरों को बहुत आकर्षक ढंग से सजाया गया था । सुबह प्रभातफेरी निकाली गई तथा मंदिरजी में भगवान का 108 कलशों से अभिषेक एवं शांतिधारा की गई । दोपहर में भगवान महावीर स्वामीजी की भव्य एवं विशाल शोभायात्रा निकाली गई जिसमें समाज के सभी सदस्य बड़े उत्साह एवं आनंद के साथ सम्मिलित हुये । श्रीजी की जुलूस बड़ा मंदिर धाम से प्रारंभ होकर पन्ना नगर के सभी प्रमुख मार्गों से होता हुआ बड़ा बाजार स्थित मंदिर में पहुँचा जहां भगवान महावीर स्वामी का 108 कलशों से अभिषेक एवं शांतिधारा की गई । बाद में श्रीजी की शोभायात्रा वहां से विहार कर वापस बड़े बाजार के मंदिर में आकर संपन्न हुई । भगवान जिनेन्द्र की भव्य शोभायात्रा में जिनेन्द्र प्रभु का स्वागत करने के लिये जगह जगह रांगोली एवं तोरण द्वार सजाये गये थे सभी ने प्रभु की मंगल आरती कर असीम पुण्य की वृद्धि एवं धर्म की महती प्रभावना की। समाज की ओर से गरीब और बीमार लोगों का फल एवं भोजन का वितरण किया गया ।

पन्ना नगर में संत शिरोमणि गणाचार्य श्री 108 विरागसागरजी महाराज ससंघ के सानिध्य में दिनांक 10 अप्रैल से 19 अप्रैल तक दस दिवसीय जैन धर्म शिक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें समाज के सभी लोगों ने उत्साह एवं आनंद से भाग लिया । आचार्य भगवन के परम सानिध्य में लोगों को जैन धर्म के गौरव एवं इतिहास, जीव विज्ञान, जैन भूगोल आदि विषयों का ज्ञान प्राप्त किया । आचार्य भगवन के अमृतमयी वचनों ने समाज को नैतिक, अध्यात्मिक एवं चारीत्रिक विकास की प्रेरणा दी।

जबलपुर

अरविन्द जैन, जबलपुर । प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष श्रमण संस्कृति के उन्नायक चौबीसवें तीर्थंकर 1008 भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष में श्री दिगम्बर गोलालारीय जैन नवयुवक सभा में पदाधिकारियों द्वारा वृद्धाश्रम एवं कुष्ठ आश्रम पहुंचकर भगवान महावीर स्वामी के संदेशों का वाचन संस्था संरक्षक श्री निर्मलकुमार जैन द्वारा किया गया । उद्बोधन उपरांत वृद्धाश्रम में उपस्थित वृद्धजनों के बीच फलो का वितरण समस्त पदाधिकारियों के सहयोग से किया गया । दिनांक 1 अप्रैल को कमानिया गेट पर श्री दि. जैन गणेशप्रसाद वर्णी पाठशाला के बच्चों द्वारा वर्तमान की समस्याओं पर आधारित एक नृत्य नाटिका 'खो गई इंसानियत' का सफल मंचन किया गया एवं 2 अप्रैल को प्रात: 7.30 बजे हनुमान ताल बड़े जैन मंदिर से एक विशाल शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ, जिसमें भगवान महावीर स्वामी की प्रतिमा रजत पालकी एवं रथ पर विराजित हुई । विशाल जुलूस के साथ शोभा यात्रा विभिन्न मार्गों से होती हुई कमानिया गेट पर समापन हुआ । सायंकाल श्री जी का महामस्तिकाभिषेक किया गया । वृद्धाश्रम में सभा का संचालन संस्था अध्यक्ष अरविंद जैन एवं डॉ. सुनील जैन द्वारा किया गया । कार्यक्रम में प्रीति जैन, मालती जैन एवं श्वेता ऋषभ मोदी तथा सविता रितेश मोदी, रिंकी, अमित जैन, प्रीति, अमित जैन, रीना आलोक जैन का विशेष सहयोग रहा । अंत में आभार प्रदर्शन संस्था उपाध्यक्ष श्री अश्विन जैन द्वारा किया गया । इसके बाद पदाधिकारी अहिंसा चौक स्थित बच्चों के सेवा केन्द्र तथा संगम कालोनी स्थित बाजखेड़ा भवन में भी बच्चों को फलों का वितरण किया गया ।

पृथ्वीपुर

अंकित जैन, पृथ्वीपुर । टीकमगढ़ जिले के पृथ्वीपुर नगर में महावीर जयंती का पर्व बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । नगर के मंदिर में शोभायात्रा प्रारंभ होकर नगर भ्रमण पश्चात मंदिरजी पर ही अभिषेक, शांतिधारा व पूजा पाठ के साथ संपन्न हुई । नगर के समाजजनों ने बड़े ही उत्साह पूर्वक सभी कार्यक्रमों में बढ़ चढ़कर भाग लिया । महिलाएं एवं युवा वर्ग भगवान महावीर स्वामी के संदेशों का उद्घोष करते हुए चल रहे थे ।

गोलालारीय समाज द्वारा नगर मे नवीन मंदिर का निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है जिसमें समाजजन पूर्ण मनोयोग से सहयोग प्रदान कर कार्य को गति प्रदान कर रहे है । महावीर जयंती के कार्यक्रम में डॉ. संतोष जैन, डॉ. अरुण जैन, भानु जैन, मुकेश जैन, देवेन्द्र जैन, अनिल जैन, सत्येन्द्र जैन का विशेष सहयोग रहा ।

कोरियर द्वारा पत्रिका भेजने की व्यवस्था

गोलालारीय दर्शन पत्रिका शासन के मापदण्डों के अनुसार साधारण डाक से आप तक पहुँचाने का हर संभव प्रयास करते है फिर भी कई परिवारों तक पत्रिका नहीं पहुंच पाती है, इस दुविधा को दूर करने के उद्देश्य से हमने मधुर कोरियर के माध्यम से पत्रिका भेजने का विचार करा है। आजीवन सदस्य ही इस सुविधा का लाभ ले पायेंगे । मधुर कोरियर के द्वारा मध्यप्रदेश में 150 रु. प्रतिवर्ष व मध्यप्रदेश के बाहर 200 रु. अग्रिम रुप से जमा करने पर ही यह सुविधा सुनिश्चित की जा सकेगी ।

संपादक मंडल 'गोलालारीय दर्शन'

संपर्क - श्री बाहुबली जैन 9425903301, 9424013136

गर्मी की पहेली - शब्द जाल प्रतियोगिता-09

नीचे दिये गर्मी से संबंधित प्रश्नों के उत्तर आपको निर्धारित बॉक्स में देना है –

1) गर्मी में आने वाली एक तिथि जिस पर विवाहादि मांगलिक कार्य संपन्न होते है –
2) गर्मी में मिलने वाला एक बड़ा फल
3) गर्मी में सबके मन को भाने वाली ठंडी ठंडी
4) गर्मी में लोग यहाँ जाना पसंद करते है
5) गर्मी में सब पीना पसंद करते है –
6) मालवा का प्रसिद्ध व्यंजन जो फलों के राजा से बनता है –
7) एक यंत्र जो गर्मी से राहत देता है –
8) गर्मी में बच्चे जाना पंसद करते है अपने ..... घर
9) गर्मी में चलने वाली गर्म हवा –
10) गर्मी में शरीर से निकलता है –

प्रतियोगी का फोटो

प्रतियोगी का नाम _____

पता _____

_____

_____

मोबाइल नं. _____

निम्नलिखित पते पर भेजें – **'गोलालारीय दर्शन' 16, महारानी रोड, इन्दौर या 64, न्यू देवास रोड, इन्दौर** । प्राप्त सही प्रविष्टियों का ड्रा निकालकर प्रथम 5 विजेताओं को के नाम निकालकर आगामी अंक में उनके फोटो भी प्रकाशित किये जायेंगे । * **नियम** – प्रतियोगिता सभी आयु वर्ग महिला / पुरुष / बच्चों के लिए है। प्रविष्टि भेजने की **अंतिम तिथि 15 जून 2015** सही जवाब के साथ प्रतियोगी परिवार प्रमुख का नाम, टेलीफोन नंबर एवं प्रत्याशी का नवीन फोटो लगाकर पूर्ण पता मय पिनकोड के साथ अवश्य भेजें। संपादक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। अपूर्ण जानकारी होने पर प्रविष्टी को निरस्त किया जा सकता है । प्रतियोगिता 8 के परिणाम आगामी अंक में प्रकाशित किये जायेंगे।

वर्ष 2014-15 में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को सम्मानित करने हेतु आवेदन फार्म

वर्ष 2014-15 की परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थी निम्न प्रारुप में अपना विवरण 15 जून 2015 तक **गोलालारीय दर्शन** कार्यालय पर भेज सकते है।

विद्यार्थी का नाम: _____ कक्षा_____

पिता/माता का नाम : _____

डाक का पूर्ण पता : _____
नगर के पिन कोड फोन सहित देवे। _____

फोन/मोबाइल : _____

पिन न लगायें। नवीन फोटो पर नाम लिख यहां चिपकाएं

कुल अंक: _____ **प्राप्तांक**_____ **प्रतिशत/ग्रेड** _____

विशेष उपलब्धि: _____

विशेष : ● **वर्ष 2015 की मेडिकल एवं इंजीनियरिंग व अन्य प्रवेश परीक्षा में उच्च रैंक प्राप्त करने वाले बच्चे अपने जानकारी फोटो सहित भेजे।** ● कक्षा 1 से 5 तक 90 % या ए2 ग्रेड ● कक्षा 6 से 8 तक 80 % या बी1 ग्रेड ● कक्षा 8 से स्नातकोत्तर या प्रोफेशनल कोर्सेस में 70 %/ बी2 ग्रेड या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी उक्त प्रारुप, अंक सूची की फोटोकॉपी के साथ **15 जून 15** तक निम्न पते पर भेंजे ताकि आगामी अंक में उन्हे उचित स्थान दिया जा सकें। प्राप्त अंक सूचीयों को वरीयतानुसार प्रकाशित करा जावेगा। उक्त प्रारुप की फोटो कॉपी भी कराई जा सकती है। **विशेष नोट** – अंक सूची पर पूर्णांक/प्राप्तांक/प्रतिशत/ओवर आल ग्रेड (फायनल ग्रेड) स्पष्ट रुप से लिखना अनिवार्य है। ● अंक सूची पर काट पीट या ओवरराइटिंग न करें। उक्त प्रारुप को पूर्ण रुप से स्पष्ट भरा होने पर ही प्रविष्टी मान्य होगी। ● वर्ष 2014-15 की अंकसूची ही स्वीकार होगी। स्नातक/ स्नाकोत्तर/ प्रोफेशनल कोर्सेस पूर्ण होने पर ही उसकी मार्कशीट की फोटोकॉपी भेंजे। ● अंकसूची की संपूर्ण फोटोकॉपी भेजे जिसमें ग्रेड निर्धारण का विवरण अनिवार्य रुप से होना चाहिए। ● **अपूर्ण जानकारी, अंकसूची नहीं होने पर, आवेदन फार्म नहीं होने पर फार्म को निरस्त कर दिया जायेगा।**

फार्म भेजने का पता : **''गोलालारीय दर्शन''**, श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास, 16, महारानी रोड़, एवं 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर - 452 003

मदर्स डे (10 मई)

लघुकथा - माँ तो माँ होती है ।

शहर में नये नये आये थे। गृहस्थी का ज्यादा सामान भी नहीं था, न ही किसी से जान पहचान । बस खुशी की बात थी कि भाई का घर कुछ दूर ही था । माँ भी उनके साथ रहती थी । पयूर्षण के दिन नजदीक आ रहे थे, सो उन्हीं की तैयारियों में जुटी थी । तभी रोट तीज (त्रिलोक तीज) का व्रत पड़ा । दिन भर निर्जल उपवास । दूसरे दिन जैसे ही मंदिर से वापस आई अचानक डोरबैल बजी । दरवाजा खोलते ही देखा सामने भैया थे, हाथ में बड़ा सा थैला । अंदर आकर थैला खोलते ही आँखे खुशी से छलक पड़ी । माँ ने पारणा की सामग्री भेजी थी, गर्मा गर्म हलवा, दूध, कालीमिर्च की उकाली वगैरह वगैरह । यही नहीं पयूर्षण के लिए शुद्ध आटा, बेसन, मसाले, ड्रायफ्रूट्स और न जाने क्या क्या । बिना मेरे कहे ही माँ ने मेरी सारी परेशानी दूर कर दी। सच, वो माँ जो थी ।

विवाहोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएँ

चि. रोहित

सुपौत्र : श्रीमती लक्ष्मीबाई-गुलाबचंद जैन * सुपुत्र : श्रीमती मंजू-राजेन्द्रकुमार जैन, ललितपुर

का शुभ विवाह

सौ. कां. डॉ. दीपाली

सुपौत्री : स्व. श्री कस्तूरचंदजी जैन * सुपुत्री : श्रीमती वंदना-दिनेशकुमार जैन, झांसी

के साथ दिनांक 4.04.15 को ललितपुर में संपन्न हुआ।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित....

दादा-दादी : गुलाबचंद-लक्ष्मीबाई जैन, भागचन्द्र-उषा जैन

ताउ-ताई : आशाराम-सुधा जैन * चाचा-चाची : महेन्द्रकुमार-सुनीता जैन

चाचा : अमित जैन, अनूप जैन, सत्येन्द्र जैन * भैय्या-भाभी : अंशुल-रसना जैन

भाई-बहन : पवन, मनीष, पूनम, इंजी. प्रियंका * भतीजी : अनवी

नवदाम्पत्य की हार्दिक शुभकामनाएँ

चि. इंजी. अभिषेक

सुपौत्र : स्व. श्रीमती इमरत -स्व. श्री लक्ष्मीचंदजी जैन
सुपुत्र : श्रीमती रजनी-इंजी. राजेन्द्रकुमार जैन, लखनऊ

संग

सौ.कां. डॉ. नित्या

सुपौत्री : स्व. श्रीमती शीलादेवी-स्व. श्री आनंदकुमार जैन
सुपुत्री : श्रीमती ममता-प्रदीपकुमार जैन, झांसी

का मंगल परिणय
दिनांक 2 अप्रैल 2015 को लखनऊ में संपन्न हुआ।

नवदाम्पत्य की हार्दिक शुभकामनाएँ

चि. ललित

सुपौत्र : श्रीमती राजकुमारी-कैलाशचंद जैन
ललितपुर का

शुभ विवाह

सौ.कां. सुलभा

सुपौत्री : श्रीमती अंजना-सुशीलकुमार जैन, तालबेहट

के साथ दिनांक 14 मार्च 2015 को
ललितपुर में संपन्न हुआ।

हार्दिक शुभकामनायें...

चि. विक्रम

सुपौत्र : श्रीमती दाखाबाई-मूलचंद जैन * सुपुत्र : श्रीमती रजनी-महेन्द्र जैन
इन्दौर का

शुभ विवाह

सौ.कां. निकांक्षा

सुपौत्री : श्रीमती सोनाबाई-प्रबोधचंद जैन * सुपुत्री : श्रीमती साधना-प्रफुल्ल जैन

के साथ इन्दौर में
दिनांक 28 मार्च 2015 को संपन्न हुआ।

खतौली में पंच दिवसीय महोत्सव में देश के प्रमुख विद्वानों के व्याख्यान हुए।

डॉ. ज्योति जैन, खतौली। उत्तर भारत की प्रमुख धर्मनगरी, क्षुल्लक गणेशप्रसादजी वर्णी, बाबा भागीरथजी वर्णी के संस्कारों से समृद्ध खतौली (उ.प्र.) में तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का 2614 जन्म महोत्सव 29 मार्च से 2 अप्रैल तक विविध आयोजनों के साथ आचार्य भारतभूषणजी ऐलाचार्य क्षमाभूषणजी, त्रिलोकभूषणजी के सानिध्य में संपन्न हुआ। प्रति एक वर्ष पश्चात होने वाले परम्परागत आयोजनों के साथ देश के प्रमुख विद्वानों को बुलाकर उनके प्रवचन, व्याख्यान, शंका समाधान के आयोजन में पं. रतनलाल बैनाड़ा (आगरा), डॉ. वीरसागर शास्त्री (दिल्ली), डॉ. सुरेन्द्र भारती (बुरहानपुर), राजेन्द्र जैन महावीर (सनावद), डॉ. के.सी. जैन (खतौली) सहित स्थानीय विद्वानों के साथ प्रतिदिन हुए आयोजन में समाज के सैकड़ों जन लाभान्वित हुए व अनेक विषयों पर उन्होंने अपनी शंका समाधान प्राप्त किए। मंडल विधान प्रतिदिन ब्र. अभय भैया (इन्दौर) ने संगीतकार निलेश जैन (बुढ़ार) के साथ संपन्न कराए। नृत्य वाटिका के साथ छबड़ा राजस्थान का महिला बैण्ड वीरांगना दिव्य घोष, रथयात्रा में महाराष्ट्र के कलाकारों द्वारा रांगोली की प्रस्तुति, लुधियाना के 90 कलाकारों द्वारा महाराजा बैण्ड द्वारा भव्य प्रस्तुति, सहित अनेक आयोजन संपन्न हुए। मंच संयोजक डॉ. ज्योति जैन, अरुण जैन (नगली वाले), नीरज जैन, अजय जैन (अध्यापक) द्वारा आयोजन की सुंदर संयोजना के अनुसार आयोजन संपन्न हुए। मुख्य संयोजक रामकुमार जैन, सतीश जैन, राकेश जैन आदि पदाधिकारियों ने सभी को सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि खतौली नगर में विगत 70-80 वर्षों से एक वर्ष के अंतराल से महावीर जयंती पर पंच दिवसीय भव्य आयोजन किया जाता है। इस वर्ष का आयोजन बाबा भागीरथवर्णी द्वारा स्थापित श्री 1008 पद्मप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर कार्यकारिणी कमेटी खतौली द्वारा किया गया।

वर्तमान शासन नायक महावीर स्वामी की जन्म जयंती महोत्सव सानंद संपन्न

छतरपुर

सनत जैन, छतरपुर। जैन धर्मावलंबियों के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी की 2614वीं जन्म जयंती पर नगर में एक भव्य एवं गरिमामयी शोभायात्रा निकाली गई और मेलाग्राउण्ड जैन मंदिर व श्री नेमीनाथ जिनालय परिसर में श्रीजी का धार्मिक विधि विधान से मंगल अभिषेक किया गया। सायं 7.30 बजे मेलाग्राउण्ड स्थित प्राचीन श्री अजितनाथ दि. जैन मंदिर परिसर में आयोजित मधुर भजन संध्या का श्रद्धालुओं ने भरपूर आनंद उठाया।

कार्यक्रमो का शुभारंभ प्रात: 8 बजे श्री नेमीनाथ जिनालय से श्रीजी की शोभायात्रा के साथ हुआ। यह शोभायात्रा महल रोड, छत्रसाल चौक होते हुए मेलाग्राउण्ड पहुंची, जहां कीर्ति स्तंभ के साथ श्री अजितनाथ दि. जैन मंदिर में ध्वजारोहण किया गया। जहां ध्वजारोहण का सौभाग्य नवीन जैन, बंटी जैन पुत्र ताराचंद जैन ज्ञानदीप स्टेशनरी को मिला। मेलाग्राउण्ड भारी जन समूह के बीच श्रीजी के अभिषेक के बाद शोभायात्रा आकाशवाणी तिराहा, बस स्टेण्ड, गांधी चौक होते हुए श्री नेमीनाथ जिनालय पहुंचकर संपन्न हुई। शोभायात्रा में श्रीजी की पालकी रथ एवं झांकी आकर्षण का केन्द्र रही। छत्रसाल चौक पर डेरा पहाड़ी जैन समाज की शोभायात्रा मुख्य शोभायात्रा में शामिल हुई जिससे इसकी भव्यता और भी बढ़ गई। शोभायात्रा में पुरुष व युवावर्ग सफेद वस्त्र व टोपी धारण किये हुए थे एवं महिलायें पीले वस्त्रों में चल रही थी। भजन मंडली व डीजे मधुर भजनों की लहरिया बिखेरते चल रहे थे। श्रद्धालुओं जियो और जीने दो एवं अहिंसा परमो धर्मा का जयघोष एवं भगवान महावीर स्वामी का जयकारा लगाते हुए चल रहे थे। शोभायात्रा का जैन एवं अजैन बंधुओं ने भावभीन स्वागत किया तथा श्रीजी की आरती उतारी। अपरान्ह 4 बजे श्री नेमीनाथ जिनालय मंदिर में श्रीजी का मंगल अभिषेक हुआ। शाम 7 बजे मेलाग्राउण्ड स्थित श्री अजीतनाथ दि. जैन मंदिर प्रांगण में मधुर भजन संध्या संपन्न हुई जिसमें सुनील जैन एण्ड पार्टी ने अपने मनोज्ञ भजनों से श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। महावीर जयंती के अवसर पर जैन समाज की ओर से जिला अस्पताल में मरीजों को फल वितरण कर उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की गई। जैन समाज के अध्यक्ष जयकुमार जैन, अजितनाथ मंदिर के प्रबंधक अरविंद बड़कुल सहित समस्त कार्यकारिणी ने शोभायात्रा की सानंद समाप्ति में जिला व पुलिस प्रशासन तथा धार्मिक व सामाजिक संगठनों का आभार माना है।

कल्याण, मुंबई

संजय जैन, मुंबई। महावीर जयंती के अवसर पर श्री 1008 चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर, कल्याण में बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 8 बजे प्रभातफेरी से हुई जो जैन मंदिर से निकलकर नगर के मुख्य मार्ग से होती हुई मंदिरजी पर पहुंची जिसमें जैन समाज के सभी लोगों ने हिस्सा लिया। उसके बाद सुबह 9 बजे से भगवान महावीर स्वामी की पूजा और अभिषेक के साथ ही सामूहिक पूजा हुई, जिसमें श्री संजय जैन, श्रीमती सपना गंगवाल और श्वेता जैन ने समधुर स्वर के साथ भजन गाये, जिसके कारण सभी में जोश भर गया और राजस्थान से पधारें अतिथियों ने भगवान महावीर स्वामीजी की पूजा इतने भाव और राग के साथ कंठस्थ पढ़ी कि ऐसा लग रहा था मानो की सभी लोग भगवान के समवशरण में बैठे हुए महसूस कर रहे है। समाज के सभी लोगों ने बहुत ही बढ़चढ़कर भाग लिया। महावीर जयंती के उपलक्ष में जैन पाठशाला के बच्चों के द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती श्वेता जैन व श्रीमती प्रतिभा सुनील जैन ने किया। मुख्य अतिथि ने अपने वक्तव्य में भगवान महावीर के जीवन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के समापन पर जैन समाज के अध्यक्ष डॉ. नरेन्द्र जैन ने सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। सकल दिगम्बर जैन समाज की तरफ से भोजन की व्यवस्था की गई थी।

झांसी

राजेश जैन, झांसी। 'परस्परो जीवानाम' एवं अहिंसा परमो धर्म: के सिद्धांत के माध्यम से प्राणी मात्र को कल्याण का मार्ग प्रशस्त करने वाले जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी की 2614वीं जन्म कल्याणक महोत्सव झांसी नगर में धूमधाम के साथ मनाया गया। श्री दिगम्बर जैन पंचायत समिति के तत्वावधान में प्रात: 5 बजे कटरा मंदिर से प्रभातफेरी नगर के मुख्य मार्गों से निकली। प्रभातफेरी में बच्चे, महिलायें, युवावर्ग एवं बुजुर्गजन एक स्वर में भगवान महावीर के जन्म कल्याणक की खुशियां मनाते हुए भगवान महावीर के अहिंसा सिद्धांतों का आह्वान करते हुए मंगल बधाई गीत, जयकारा एवं जयघोष से संपूर्ण वातावरण गुंजायमान हो रहा था। करगुवां पहाड़ी स्थित करुणा स्थली पर भगवान महावीर स्वामी की विशाल प्रतिमा का मस्तिकाभिषेक, पूजन अर्चना विधिवत संपन्न हुई। विचार संगोष्ठी में क्षेत्र संरक्षक कैलाशचंद जैन ने कहा कि भगवान महावीर के संदेश से ही विश्व में अमन चैन स्थापित हो सकता है। अहिंसा की ताकत को विश्व संगठनों ने समझा और इसी कारण अंतर्राष्ट्रीय विश्व अहिंसा दिवस की घोषणा हुई।

संगोष्ठी में प्रकाशचंद जैन, एडवोकेट डॉ. जिनेन्द्र जैन, अशोक जैन, बाहुबली जैन, सुधीर जैन, संजय जैन, प्रदीप जैन एवं सुभाष ठेकेदार आदि ने विचार व्यक्त किये। तत्पश्चात प्रात: 9 बजे बड़ा मंदिरजी से सकल जैन समाज के द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बैण्ड बाजे की धुन पर श्रद्धालु मंगलगीत पर नृत्य चाचरों के साथ कर रहे थे। विमान में भगवान श्रीजी एवं पालकी में भगवान की दिव्य प्रतिमा विराजमान थी। शोभायात्रा में अहिंसा परमो धर्म का संदेश देती झांकियां भी आकर्षण का केन्द्र थी। नगर भ्रमण करती हुई शोभायात्रा का व्यापारियों ने जगह जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।

गांधी भवन प्रांगण आयोजन स्थल पर सर्वप्रथम भगवान महावीर के चित्र का अनावरण व दीप प्रज्जवलन पूर्व केन्द्रीय मंत्री भारत सरकार प्रदीप जैन आदित्य ने किया। तदोपरांत बालिकाओं ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान ताराचंद भंडारी, राजेश जैन, आशीष जैन, विनय जैन को सम्मानित किया। पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान में भगवान महावीर स्वामी के सिद्धांत प्रासंगिक है। उनके अहिंसा के सिद्धांतों पर अमल किये बिना दुनिया में शांति कायम नहीं की जा सकती। तत्पश्चात सौधर्म इन्द्र, ईशान इन्द्र ने मंचो के बीच भगवान का अभिषेक किया। तदुपरांत भगवान की सामूहिक मंगल आरती की गई। आयोजन स्थल पर भारत विकास परिषद, जैन मिलन, दि. जैन सोशल ग्रुप, पुलक चेतना मंच, समाजसेवी संगठनों ने शीतल पेय, ठंडाई एवं मिष्ठान आदि का वितरण किया।

इस अवसर पर डॉ. हीरालाल जैन, कैलाशचंद जैन, डॉ. जिनेन्द्र जैन, राजीव जैन, भागचंद जैन, अमित जैन प्रधान, मनोज जैन, जितेन्द्र जैन, आलोक जैन, शैलेन्द्र जैन, रविन्द्र जैन, विनोद जैन, रकोश जैन, ऋषभ जैन, सुभाष जैन, ललित जैन, संजीव जैन, नीतेश जैन, महेन्द्र जैन, संजय जैन, सनी जैन आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कमल जैन एवं आभार डॉ. सतीशचंद जैन ने किया।

भोपाल

प्रदीप जैन, भोपाल । श्री महावीर जयंती उत्सव भोपाल में अत्याधिक हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । जन्म जयंती कार्यक्रम सामूहिक रुप से मनाने के लिए सप्ताह भर पहले सभी मंदिरों की समितियों की बैठक में तय किया गया कि मुख्य कार्यक्रम भोपाल जैन समाज को आवंटित स्थान कीर्ति स्तंभ रोशनपुरा नाके पर मनाया जावेगा । नये भोपाल के लगभग सभी मंदिरों में जुलूस के रूप में बैण्ड बाजों एवं जयकारों की गूँज के साथ कीर्ति स्तंभ पर एकत्रित होकर श्री महावीर स्वामीजी का अभिषेक विधि विधान से किया गया ।

विशेष कार्यक्रम के रुप में 'एक शाम भगवान महावीर के नाम' जैन कवि सम्मेलन के रुप में मनाया गया, जिसमें भारत के विख्यात कवि श्री सुरेन्द्र शर्मा (हास्यकवि) दिल्ली, श्री पवन जैन (एडीजीपी) भोपाल एवं श्रीमती अंजू जैन गजियाबाद आदि कवियों ने जैन धर्म पर प्रकाश डालते हुए अपनी कविताओं के माध्यम से विशाल जन समुदाय को ओतप्रोत कर दिया । इस तरह से कविताओं का दौर देर रात तक चलता रहा । पुराने भोपाल में मुनिश्री 108 स्वभाव सागरजी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में शोभायात्रा निकाली गई, कार्यक्रम श्रीजी के अभिषेक एवं मुनिश्री प्रवचन के साथ संपन्न हुआ ।

विदिशा

विदिशा, कन्छेदीलाल जैन । भगवान महावीर स्वामी की जन्म जयंती के उपलक्ष में इस बार चार दिवसीय कार्यक्रम बड़े ही उत्साह एवं उमंग के साथ आर्यिका रत्न 105 पूर्णमति माताजी के ससंघ सानिध्य में मनाया गया । दि. 1 अप्रैल को प्रात: 5 बजे श्री चन्द्रप्रभु जिनालय से पार्श्वनाथ जिनालय, अरिहंत विहार, पार्श्वनाथ जिनालय रामद्वारा, शीतलनाथ दि. जैन मंदिर किला अंदर से निकलकर तिलक चौक होते हुए माधवगंज मालवीय उद्यान पहुँची, वहां ध्वजारोहण किया गया । दि. 2 अप्रैल को सभी मंदिरों में विशेष पूजा आराधना की गयी, मुख्य जुलूस किले अंदर छोटे जैन मंदिर से एवं पार्श्वनाथ जिनालय अरिहंत विहार से माताजी के ससंघ सानिध्य में निकलकर माधवगंज में पहुँचकर श्रीजी का अभिषेक पूजन किया गया । श्रीजी की शोभायात्रा का नगर में स्थान स्थान पर स्वागत किया गया । कार्यक्रम में माताजी एवं पूज्य आदित्य सागरजी के अध्यात्मिक प्रवचन हुए ।

अरिहंत विहार में 3 अप्रैल को श्री महावीर स्वामी विधान माताजी के सानिध्य में शाम को पालना, आरती, प्रश्नमंच, ध्यान शिविर का आयोजन किया गया । 4 अप्रैल को श्री पार्श्वनाथ महामंडल विधान, प्रवचन, शाम को आरती, प्रश्नमंच एवं ध्यान शिविर का आयोजन किया गया । महावीर जयंती कार्यक्रम के उपरांत माताजी का ससंघ मण्डीबामोरा की ओर विहार हो गया ।

अहमदाबाद

श्रेयांस धर्मसैया, अहमदाबाद । 1008 श्री संभवनाथ दि. जैन मंदिर गोमतीपुर के प्राचीन मंदिरजी पर श्री महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव के अवसर पर भव्य शोभायात्रा हर्षोल्लास पूर्व निकाली गयी । श्रीजी की भव्य रथ यात्रा के साथ समाज के महिला पुरुष एवं युवा वर्ग पारम्परिक जुलूस के रुप में भगवान महावीर के अमर संदेशों का उद्घोष कर चल रहे थे। निर्माणाधीन जैन भवन के सामने से जब शोभा यात्रा निकली तो समाजजनों ने भवन निर्माण को देखकर हर्ष व्यक्त किया व निर्माण कार्य शीघ्र ही पूर्ण हो ऐसी प्रभुश्री से प्रार्थना की ।

हरीशचंद, अम्बिका नगर । अम्बिका नगर स्थित श्री 1008 पार्श्वनाथ दि. जैन मंदिर से महावीर जयंती के पर्व पर सुबह 5.30 बजे प्रभातफेरी पारम्परिक जुलूस के पश्चात प्रभावना वितरण कर संपन्न हुआ । संध्या को श्रीजी के पालने कार्यक्रम में समाजजनों ने बढ़चढ़कर भाग लिया ।

गोमतीपुर । रेलवे स्टेशन व बस स्टेण्ड के नजदीक श्री 1008 संभवनाथ दि. जैन मंदिर के पास निर्माणाधीन जैन भवन का कार्य प्रगति पर है नगर में यात्रियों, विद्यार्थियों, व्यापारीगण एवं ईलाज हेतु आने वाले समाजजनों के ठहरने की उत्तम व्यवस्था का प्रबंध करा जाना प्रस्तावित है। इस भवन में 2 बड़े हॉल, 16 कमरे सुविधायुक्त भवन में लिफ्ट एवं एसी कमरों की व्यवस्था भी रखी गई है। भवन के निर्माण का कार्य तीव्रगति से चल रहा है, आप इस कार्य में सहयोग हेतु श्री हुकुमचंद पंचरतन 09428734940, श्री श्रेयांस धर्मसैया 07383875797, श्री सुरेन्द्र भाई 09427302587 से संपर्क कर सकते है ।

इन्दौर

इन्दौर नगर को उत्सवों का नगर कहा जाये तो अतिश्योक्ति नहीं होगी । हर उत्सव यहाँ बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। महावीर जयंती पर भी कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला । प्रात:काल से ही सभी जिनमंदिरों में भगवान महावीर के जन्मोत्सव की शोभायात्रा निकाली गयी । दिन में मुख्य समारोह काँच मंदिर, इतवारिया बाजार से प्रारंभ हुआ जिसमें नगर के सभी क्षेत्रों के समूह, विभिन्न सोशल ग्रुप, विभिन्न समाजों के समूह अपने अपने बैनर और झंडे लिये आकर्षक परिधानों में सम्मिलित हुए। प्रत्येक समूह की एक विशेष थीम और ड्रेस कोड था और वे भजनों के लय ताल पर नृत्य करते हुये चल रहे थे। इस वर्ष की मुख्य थीम ''गौहत्या निषेध'' थी जिसे सभी सामाजिक समूहों ने अपने अपने अंदाज में झाकियों, बैनरों और तख्तियों के माध्यम से प्रस्तुत किया । गोलालारीय समाज के 350 सदस्यों के साथ गौरक्षा की आकर्षक झांकी ने लोगों का मन मोह लिया । लगभग तीन घंटों तक पूरे राजबाड़ा क्षेत्र में शोभायात्रा चलती रही जिसमें हजारो नरनारियों ने उत्साह से भाग लिया । अनेक लोग सड़क के दोनो ओर खड़े होकर जुलूस में शामिल स्त्री पुरुषों का उत्साहवर्धन करते, पुष्पवृष्टि कर और मालाओं से उनका स्वागत करते नजर आये । वहीं कुछ संगठनों ने गर्मी में जल, शीतलपेय आदि द्वारा लोगों को राहत प्रदान की । शोभायात्रा का समापन कांच मंदिर पर हुआ, जहाँ श्रीजी का जन्माभिषेक किया गया । इस वर्ष इन्दौर नगर को 108 आचार्य श्री पुष्पदंतसागरजी एवं प्रसन्नसागरजी महाराज विशेष रुप से उपस्थित रहे । कार्यक्रम के अंत में मुनिद्वय के मंगल प्रवचन हुए । इस वर्ष शोभायात्रा की विशेषता रही सामाजिक समूहों द्वारा स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए जुलूस के पीछे पीछे सड़कों से कचरे को साफ करने की व्यवस्था की गयी जिसकी सराहना की गयी । आगामी वर्षों में कुछ ऐसे ही सुधार किये जाये ताकि हमारा उत्सव किसी अन्य के लिये परेशानी का कारण न बने । इतने बड़े जुलूस और हजारों नर नारियों की उपस्थिति से यातायात भी बाधित होता है, भविष्य में हम कुछ ऐसे कदम उठायें ताकि जरुरतमंद और आपातकालीन स्थितियों में यातायात का प्रबंधन किया जा सके तो हम महावीर स्वामी के संदेश ''जियो और जीने दो'' का पालन सही अर्थों में कर सकेंगे।

।। सादर श्रद्धांजली ।।

इन्दौर समाज के वरिष्ठ सदस्य **श्री आनंदकुमार चुन्नीलाल जैन** का देहांत 22.03.15 को हो गया है। आप अत्यंत सरल स्वभावी, धार्मिक, मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे । सामाजिक कार्यों में आपकी विशेष रुचि रहती थी । आपकी स्मृति में परिवारजनों ने गोलालारीय समाज को 11000 रु. एवं गोलालारीय दर्शन पत्रिका को 2100 रु. की राशि प्रदान की है ।

श्री जयकुमार, मुकेशकुमार, दिलीपकुमार, सुदेशकुमार एवं आजेशकुमारजी की माताजी **श्रीमती मुन्नीबाई जैन** का देहांत 8 अप्रैल को जबलपुर में हो गया । आप अत्यंत ही धार्मिक एवं सरल स्वभावी महिला थी।

गोलालारीय दर्शन परिवार
अपनी ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

आचार्य 108 श्री विशुद्ध सागरजी का ससंघ समागम

विदिशा, कन्छेदीलाल जैन । आचार्य 108 श्री विशुद्ध सागरजी की उदयगिरी, विदिशा में दि. 15 अप्रैल को प्रात:काल की बेला में सकल दि. जैन समाज समिति, शीतल विहार न्यास एवं दयोदय संघ आचार्य विद्यासागर गौशाला समिति के संयुक्त तत्वावधान में उदयगिरी चौराहे पर भव्य अगवानी की गयी । उदयगिरी चौराहे से जयघोष के साथ आचार्य श्री का ससंघ उदयगिरी शीतल विहार न्यास में पदार्पण हुआ । आचार्यश्री ने ससंघ श्री मुनिसुव्रत नाथ भगवान के दर्शन किये । आचार्यश्री के पाद प्रक्षालन का सौभाग्य श्री अशोक मानोरिया एवं एडवोकेट सुरेशचंद जैन ने प्राप्त किया । शास्त्र भेंट का सौभाग्य श्री प्रेमचंदजी, श्री प्रदीपकुमार जैन ने प्राप्त किया तत्पश्चात सभी श्रावक बंधुओं को आचार्यश्री के श्रीमुख से जिनवाणी रसास्वादन का अवसर प्राप्त हुआ ।

स्वयं के चित्त में पर के चित्त एवं पर के चित्र को प्रवेश नहीं करने दो, तो कोई अशांति नहीं होगी । आहारचर्या एवं सामायिक बाद दोपहर में भी जिनवाणी रसास्वादनका अवसर प्राप्त हुआ । रात्रि विश्राम कर दूसरे दिन 16 अप्रैल को आचार्यश्री सांची की ओर विहार करा ।

बायोडॉटा प्रारुप का विवरण

1.	क्रमांक	9.	वर्ण
2.	प्रत्याशी का पूरा नाम	10.	व्यवसाय
3.	स्वयं / मामा का गोत्र	11.	वार्षिक आय
4.	जन्म दिनांक	12.	कुंडली मिलान
5.	जन्म समय (दिनांक समयानुसार)	13.	मंगली
6.	जन्म स्थान	14.	पत्र व्यवहार का पता
7.	शिक्षा	15.	फोन / मोबाईल नं.
8.	कद / वजन	16.	प्रत्याशी का ईमेल

प्रत्याशी का नवीन फोटो

1. 001
2. **आयुष संतोषकुमार मानोरिया**
3. मनोरिया/जमोरिया
4. 6.08.87
5. 8.11
6. बेड़िया
7. एम.बी.ए., बी.फार्मा
8. 5'6''/65 कि.
9. गोरा
10. दवा विक्रेता
11. 5.00 लाख
12. हाँ
13. आंशिक
14. अर्चना मेडिकल स्टोर्स बेड़िया
15. 07280-275278, 9754444100
16. -

1. 002
2. **शशांक सनतकुमार जैन**
3. दिवाकीर्ति/लांगुर
4. 07.04.85
5. 19.58
6. झांसी
7. बी.ई. इलेक्ट्रानिक्स
8. 5'3''/52 कि.
9. गोरा
10. ब्रिटिश टेलीकॉम, दिल्ली
11. 5.00 लाख
12. –
13. –
14. 143, डरू मौडेला झांसी
15. 0510-2351446, 9415502288
16. -

1. 003
2. **प्रतीक प्रदीपकुमार जैन**
3. वैद्य/फणीश
4. 27.03.89
5. 23.45
6. –
7. बी.ई. (ई.सी)
8. 5'11''
9. साफ
10. सर्विस- ए.सी.सी.
11. 5.80 लाख
12. हाँ
13. हाँ
14. 18, विद्या विहार कालोनी, एफसीआई गोदाम के पास, विदिशा
15. 9406878370, 8962127677
16. pratikjain2789@ymail.com

1. 004
2. **मनीष वीरेन्द्र जैन**
3. म्याने/फणीश
4. 2.11.83
5. 12.36
6. तालबेहट
7. बी.ए.
8. 5'5''
9. गोरा
10. ऑटो पार्ट्स
11. 3.60 लाख
12. –
13. नहीं
14. अंजनी नगर, झाँसी रोड़ तालबेहट
15. 9935989652, 9956640052
16. -

1. 005
2. **विकास कमल जैन**
3. जाखेरिया/पंचरतन
4. 29.10.87
5. 10.35
6. अहमदाबाद
7. ए.फार्मा
8. 5'5''
9. गेहूँआ
10. सर्विस- एलम्बिक बड़ौदा
11. 5.00 लाख
12. हाँ
13. –
14. 48, सनराइज पार्क सोसायटी चांदलोडिया, अहमदाबाद
15. 9879299019, 079-27603749
16. -

1. 006
2. **आशीष डॉ. कुंदनलाल जैन**
3. लांगुर/पंचरतन
4. 23.1.82
5. 23.47
6. मगरपुर, झांसी
7. एमपी एड एम फिल
8. 5'6''
9. गोरा
10. टीजीटी नवोदय विद्यालय
11. 5.00 लाख
12. हाँ
13. हाँ
14. ग्राम पोस्ट मगरपुर जिला झाँसी
15. 9956640052, 8979167445
16. -

1. 007
2. **अंजली आनंदकुमार जैन**
3. किरोरी/वैद्य
4. 11.07.90
5. 20.15
6. श्योपुर
7. बी.ई. (आई.टी)
8. 5'2''
9. गेहूँआ
10. –
11. –
12. –
13. –
14. 108-बी, स्पेस पार्क, फेज1 महालक्ष्मी नगर के पास, इन्दौर
15. 9425450477
16. -

1. 008
2. **श्रेया विमलकुमार जैन**
3. जाखेरिया/पंचरतन
4. 3.08.90
5. 12.03
6. अहमदाबाद
7. बी.कॉम वेब डिजाइनिंग
8. 5'2''
9. साफ
10. –
11. –
12. –
13. –
14. 48, सनराइज पार्क सोसायटी चांदलोडिया, अहमदाबाद
15. 9879299019, 079-27603749
16. -

1. 009
2. **सौरभ वीरेन्द्रकुमार जैन**
3. दिवाकीर्ति/पवैया
4. 29.04.85
5. 04.55
6. ललितपुर
7. एम.टेक (इलेक्ट्रीकल)
8. 5' 9''/60 कि.ग्रा.
9. गोरा
10. सहा. प्राध्यापक-SATI
11 3.00 लाख
12. हाँ
13. नहीं
14. गली नं. 2, गणेश गंज मार्ग विदिशा
15. 07592-236901, 9425463801
16. -

1. 010
2. **जिनेन्द्र सुरेन्द्रकुमार जैन**
3. पंचरतन/सेठ
4. 16.01.82
5. –
6. –
7. बी.कॉम (डीसीए)
8. 5'4''
9. –
10. ग्रेन मर्चेन्ट
11. पांच अंकों में
12. –
13. –
14. गायत्री मंदिर के पास, जैतवारा जिला सतना
15. 8085797710, 9406728108
16. -

1. 011
2. **संजय सुरेन्द्रकुमार जैन**
3. पंचरतन/सेठ
4. 13.09.80
5. –
6. –
7. बी.ए.
8. 5'4''
9. –
10. जनरल स्टोर्स
11. पांच अंकों में
12. –
13. –
14. गायत्री मंदिर के पास, जैतवारा जिला सतना
15. 8085797710, 9098485999
16. -

1. 012
2. **रितु एच.सी. जैन**
3. बिलौआ/वैद्य
4. 21.01.91
5. 5.20
6. मऊरानीपुर
7. एम.एस.सी. फीजिक्स
8. 5'3''/-
9. गेहूँआ
10. –
11. –
12. हाँ
13. नहीं
14. मध्यांचल ग्रामीण बैंक, निवाड़ी जिला टीकमगढ़ (म.प्र.)
15. 9424345400, 9752708790
16. -

1. 013
2. **रवीना रवीन्द्रकुमार जैन**
3. सिंघई/धर्मसेया
4. 23.08.90
5. 14.47
6. झाँसी
7. एमबीए मार्केटिंग
8. 5'3''/53 कि.ग्रा.
9. गेहूँआ
10. नौकरी
11. 2.00 लाख
12. नहीं
13. नहीं
14. जैन मंदिर के पास, तिलक नगर बी.एच ई.एल. झाँसी (यू.पी.)
15. 9451832713, 8953592142
16. vj3122@gmail.com

1. 014
2. **राहुल अनिलकुमार जैन**
3. रावत/बिलौआ
4. 18.02.87
5. 23.05
6. इन्दौर
7. एम.बी.ए.
8. 5'7''
9. गोरा
10. अंडरगारमेंट के निर्माता
11. –
12. हाँ
13. हाँ
14. 251/3, जनता कालोनी, बड़ा गणपति के पास, इन्दौर (म.प्र.)
15. 0731-2415528, 9893005429
16.

विशुद्ध मंडल की झांकी ने सबका मन मोह लिया।

इन्दौर, विजय नगर स्थित 1008 श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में विगत चार वर्षों से आदिनाथ जयंती से महावीर जयंती तक घर घर मंगलाचार किया जा रहा है जिसमें सभी महिलाओं ने पूरे उत्साह से बढ़चढ़कर रात्रि 8 से 9 बजे तक जिन मंदिरजी में भजन कीर्तन का आयोजन किया और प्रभावना वितरित की। भक्तामर मंडल ने भी इसमें अपना सहयोग दिया और एक दिन भजनों का कार्यक्रम प्रायोजित किया। महावीर जयंती के दिन प्रात:काल से ही सभी नर नारी उत्साहपूर्ण बातावरण में मंदिरजी में एकत्र हुये। विशुद्ध मंडल के नवयुवकों ने गौरक्षा के संदेश के साथ अतिसुंदर झांकी का निर्माण करा जिसकी विजय नगर समाज के साथ शहर भर के समाजजनों ने दिल खोलकर प्रशंसा की।

वर्ष 2010 में आचार्यश्री 108 विशुद्ध महाराज के आशीर्वाद से अंकित, भावेश, प्रशांत, ऋषभ, राहुल, मयूर, अर्पित, अभिषेक जैन एवं गौरव पाटनी ने इस मंडल का गठन किया। वर्तमान में मंडल में 30 सदस्य पूर्ण मनोयोग से धार्मिक कार्यों के साथ मुनिसेवा में सदैव तत्पर रहते है।

जुलूस में महिलाये केशरिया परिधान और पुरुष श्वेत वस्त्रों में सुसज्जित थे। गाजे बाजे, बग्गी, घोड़े आदि के साथ पुरुष स्त्रियां भजन गाते हुये, नाचते हुये जन्मोत्सव मना रहे थे। मंदिर प्रांगण में बाल महावीर का कलशाभिषेक किया गया। इस अवसर पर मंदिर के पीछे हाल ही में क्रय किये भूखंड के भूतल पर श्री पार्श्वनाथ दि. जैन औषधालय, प्रथम तल पर कुन्ती-कुबेर सभागृह एवं द्वितीय तल पर अतिथि निवास के शिलान्यास और भूमि पूजन का आयोजन हर्षोल्लास पूर्वक संपन्न किया गया।

बधाईयाँ

नित्यता नितिन जैन में 41वीं राज्य शतरंज स्पर्धा में 11 वर्ष बालिका वर्ग के साथ साथ 13 वर्ष आयु वर्ग का खिताब जीतकर दोहरी सफलता हासिल की है।

महावीर जयंती के अवसर पर दिगम्बर जैन महासमिति इन्दौर ने **मा. प्रणय संजय जैन** को लगातार 10 घंटे तक इलेक्ट्रीक ड्रम बजाकर गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड की उपलब्धि पर सम्मानित किया गया।

नोट - पत्रिका में भेजे जाने वाले फोटो एवं रचनाएँ वाट्सएप्प के माध्यम ना भेजे क्योंकि वे फोटो प्रकाशन के लिए उपयुक्त नहीं है एवं समाचार व बायोडाटा कॉपी करने समय काफी समस्याएँ आती है वह सामग्री पठनीय योग्य नहीं रहती है अत: आपके द्वारा भेजे जाने वाले समाचार व फोटो हमारे लिए अनुपयोगी है। कृपया जो भी जानकारी या समाचार हमें ईमेल के माध्यम से भेजे।

स्मृति शेष.... मुनिश्री क्षमासागरजी महाराज के चरणों में शत् शत् नमन्

सर्वेभावा विनष्यन्ति भुवनत्रय वर्तिमा ।
अतुला केवला कीर्ति नरस्याहो न नश्यति ।।

जगत में समस्त वस्तुएं नश्वर हैं परन्तु एक अतुल कीर्ति ही नश्वर नहीं है। वह अमर है सो अमरत्व दे जाती है। मेरा आशय यहाँ मुनिश्री क्षमासागरजी महाराज से है। निस्पृह योगी, क्षमा की मूर्ति, अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोगी, दिगम्बर श्रमण, पूज्य मुनिश्री 108 क्षमासागरजी महाराज का चेहरा बिम्बित होता है।

सागर के नामवर श्रेष्ठी जीवनकुमार सिंघईजी और उनकी धर्मपत्नी आशादेवी को 20 सितम्बर 1957 को पुत्ररत्न की प्राप्ति हुई। सिंघई परिवार का समर्पण वर्णीजी के प्रति बहुत था । मोराजी का पाषाण निर्मित मानस्तंभ इसी परिवार का सुकृत्य है। बालक को लेकर सभी महावीरजी गये, वहीं मुंडन कराया, आश्रम की संचालिका दानवीर कृष्णाबाईजी ने बालक का नाम वीरेन्द्र रखा । पढ़ने में सर्वोच्च स्थान, सर्वोत्तम अंक प्राप्त करने वाले वीरेन्द्र में नेतृत्व क्षमता अदभुत थी जिससे बात करते उसे अपना बना लेते। कठिन से कठिन गणित के सवालों को मिनटों में हल कर लेते और सरल शैली में अपने सहपाठियों को समझा देते ।

वीरेन्द्र ने एकलव्य की गुरुभक्ति का उदाहरण दिया, माता पिता जन्म देते है और गुरु हमें लौकिक शिक्षा और संस्कार देकर जीवन जीना सीखाते है उन गुरुओं के प्रति हमारा समर्पण होना चाहिए । बचपन से ही दान और सेवा की भावनाये उनके मन में संवर चुकी थी । वीरेन्द्र ने विश्वविद्यालय सागर में प्रवेश लिया । लौकिक शिक्षा के साथ साथ वीरेन्द्र को साहित्य पढ़ना अच्छा लगता था उन्हें मुंशी प्रेमचंद, विनोबाभावे, महात्मा गांधी की आत्मकथा कई बार पढ़ी। परीक्षा के दिनों में भी ध्यान, मंदिर में पूजन, अभिषेक आदि नित्यकाम कभी नहीं छूटे । देव, शास्त्र, गुरु के प्रति उनकी लगन देखकर माँ प्रसन्न हो गयी, एक एक पल का सदुपयोग करते । धार्मिक पाठशाला में भी पढ़ाने जाते थे ।

घर के सभी सदस्य एक बार आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज के दर्शन के लिए गये, तब आचार्यश्री सामायिक पर बैठे थे, सो वीरेन्द्र खिड़की में से उन्हें अपलक निहारते रहे वीतराग मुद्रा को ध्यान की मुद्रा में साक्षात तीर्थंकर लग रहे थे । आचार्यश्री के दर्शन के बाद से वीरेन्द्र काफी बदल गये थे, चिंतन बढ़ गया था। एमटेक की पढ़ाई का आखरी सेमेस्टर था। निरंतर आचार्यश्री का चिंतन चल रहा था। एमटेक की पढ़ाई पूरी कर पहुँच गये नैनागिर जहां उनकी क्षुल्लक दीक्षा हुई (16 जनवरी 1980) ब्रह्मचारी वीरेन्द्र बन गये, क्षुल्लक क्षमासागरजी मुक्तागिरी (7 नवम्बर 1980 ऐलक दीक्षा), मुनि दीक्षा (नैनागिरी 20 अगस्त 1982) दीक्षा के पश्चात ही मुनिश्री की मौन साधना शुरु हुई 6 माह तक मौन साधना चलती रही ।

गुरु के सानिध्य में अपने विचार व्यक्त करना थे मुनिश्री के मुख से (जो विद्यादिसागर सुधी मंगलाचरण और मेरी भावना की ये पंक्ति ''मैत्री भाव जगत में मेरा सब जीवों से नित्य रहे,'' एक एक शब्द मानो हृदय से निकल रहा था, श्रोता खो गये इन मधुर वचनों में । मुनिश्री की आवाज में इतनी मधुरता थी जिसने भी एक बार सुना वह उनका हो गया । मुनिश्रीजी के प्रवचन की शैली बहुत ही सरल किन्तु प्रभावक भाषा में थी जनसाधारण के कल्याण को ध्यान में रखकर प्रवचन दिये जाते थे, उनके प्रवचनों की विशेषता है कि वे प्रकृति और लोक जीवन पर आधारित होते थे, साधारण सी दिखने वाली घटनाओं को अध्यात्म से जोड़कर विषय को इतना स्पष्ट और सरल बना देते थे कि वे श्रोताओं के मन पर एक गहरी छाप छोड़ देते थे । उनके निश्छल व्यक्तित्व, ज्ञान, ध्यान, तप, चिंतन और लोककल्याण की भावना का परिणाम है कि लोग देश-विदेश में रहकर भी उनके चरणों में नतमस्तक हैं।

बिगत 25 वर्षों से ज्यादा समय तक मुनिश्री की अमृतवाणी जन जन तक पहुंची, मुनिश्री ने धर्म का रुप ही परिवर्तित कर दिया। परिवार, कर्त्तव्य बोध, कर्म कैसे करे, दशलक्षण धर्म सभी विषयों को बहुत ही सरलता से जनमानस में उतार दिया ।

मुनिश्री को बच्चों से बहुत प्यार था । आहारचर्या में सबसे ज्यादा भीड़ बच्चों की होती थी । मुनिश्री ने महसूस किया हमारे समाज में प्रतिभाये साधनों के अभाव में कुंठित हो जाती हैं। उन्हें लगा कि एक वर्ग जो निरपेक्ष भाव से उन छात्रों का आलम्बन दे सकता है, अच्छे काम का साथ सभी देते है मुनिश्री की भावना साकार हुई ''मैत्री समूह'' के रुप में बंध गये ।

''मैत्री समूह'' के माध्यम से पहली बार ''यंग जैन अवार्ड'' का कार्यक्रम शिवपुरी मे हुआ । महाराजश्री के कुशल निर्देशन ने युवा वर्ग में स्फूर्ति भर दी । कार्यक्रम में आर्थिक अभाव से ग्रसित छात्रों को आर्थिक संबल मिला। मुनिश्री ने कहा ''जब तुम स्वावलम्बी हो जाओ तब यही राशि किसी दूसरे छात्र को प्रदान करना ताकि ज्ञान दान का यज्ञ चलता रहे, वर्षों तक युगों युगो तक'' । मैं स्वयं भी जयपुर यंग जैन अवार्ड में शामिल हुई, महाराजजी ने बच्चों के लिए तीन सूत्र दिये - थिंक पॉजीटिव, स्पीक स्वीट, इंगेज इन कन्स्ट्रक्टीव एक्टीविटीज।

लोग उनकी चर्या से समय का अंदाज लगाते थे घड़ी की सुई धोखा दे जाये पर मुनिश्री की व्यवस्थित चर्या का एक एक घटक समय सीमा से बंधा होता था।

1996 में मुनिश्री का इन्दौर में चातुर्मास हुआ । इन्दौर के समवशरण मंदिर में रविवार के दिन सुबह 9 से 10 के बीच ऐसा लगता था मानो साक्षात समवशरण ही लगा हुआ है, बच्चे, युवा, बूढ़े सभी शांतभाव से अपने अनसुलझे प्रश्नों का समाधान पा जाते थे ।

यहां जितने भी कार्यक्रम हुए सभी राष्ट्रीय स्तर की छवि लेकर सामने आये । काव्य की एक पुस्तक मुनिवर के नाम से जानी जाती है । (मुनि क्षमासागरजी की कविताएं) यहां प्रकाशित हुई ।

सन् 2006, गुना से 35 किलोमीटर दूर आरोन में चातुर्मास की स्थापना हुई, यहीं से महाराजश्री अस्वस्थ होने लगे । उनकी मधुर आवाज जो जन जन का कल्याण करती थी रुंधने लगी। निरंतर कमजोरी बढ़ने लगी लेकिन चर्या के प्रति इतनी दृढ़ता चाहे प्राण चले जाये आगम अनुसार चलना है, गुरु के प्रति इतना समर्पण का भाव ऐसा कहीं देखने को नहीं मिलता ।

मुनिश्री का स्वास्थ्य दिनों दिन गिरता गया और चर्या उतनी ही दृढ़ होती गयी । 13 मार्च 2015 को मुनिश्री ने समाधि के साथ अपनी अंतिम यात्रा पूर्ण की । लाखो श्रद्धालुओं की आंखो से आंसू रुक नहीं रहे थे, अंतिम विदाई देने लाखों की संख्या में लोग सागर पहुंचे और करीब दोपहर 12 बे उनका शरीर पंचतत्वों में विलीन हो गया ।

जैसे महावीर की वाणी अमर है वैसी ही मुनिश्री की वाणी अमर रहेगी । जैन समाज को अपूरणीय क्षति हुई है उसे पूरा करना मुश्किल है। पूज्य मुनिश्री का जीवन क्रांति का श्लोक है मुक्ति का दिव्यछंद है और मानवीय मूल्यों की वंदना है, गुरुवर आप वीतराग साधना के पथिक, निरामय, निर्ग्रंथ दर्शन, ज्ञान चारित्र की त्रिवेणी है । आपको परोक्ष रुप से मेरा शत शत नमन ।

मुनिश्री क्षमासागरजी महाराज की स्वरचित पंक्तियां...

दर्पण तोड़ने से पहले इतना जरुर देख लेना, कहीं दर्पण में बना तुम्हारा प्रतिबिम्ब टूट न जाये।
उसने कुछ नहीं जोड़ा लोग बताते हैं, पहनने का एक जोड़ा भी,
उसके पास नहीं मिला, जिंदगी भर अपना सब देता रहा,
दे देकर सबको जोड़ता रहा ।

श्रीमती कल्पना इंजी. आनंदकुमार जैन, इन्दौर

अमेरिका में जैन परिवार द्वारा महावीर जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई । बच्चों द्वारा आकर्षक नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई ।

कानपुर में नवीन मंदिर हेतु भूमि शुद्धि एवं भूमि पूजन संपन्न

कानपुर के सीसामऊ क्षेत्र में नवीन जिनालय की भूमि शुद्धि एवं भूमि पूजन विधि हर्षोल्लासपूर्वक संपन्न हुई । मंदिर मुनि पुंगव सुधासागरजी महाराज के परम आशीर्वाद व निर्देशन में बन रहा है । शिलान्यास प्रतिष्ठा प्रदीप जैन 'सुयश' व मुनिश्री प्रमाणसागरजी महाराज के सानिध्य में इसी माह होने की संभावना है ।

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के अपने है, सम्पादक मण्डल का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है । किसी भी प्रकार का विवाद होने पर न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा ।

स्वामी श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास के लिए प्रकाशक, मुद्रक बाहुबली जैन द्वारा प्रकाशित प्रतीक्षा ग्राफिक्स127, देवी अहिल्या मार्ग इन्दौर से मुद्रित एवं ग्राफिक्स जोन कम्प्यूटर एंड ग्राफिक्स 356, तिलक नगर श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास, 64, न्यू देवास रोड, इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित